

अध्याय – 01 | इस जल प्रलय में

QUIZ-06

1. 'पकायी घाव' से लेखक का क्या तात्पर्य है?

- A. नाव से चोट लगना
- B. पानी में पैर की उंगलियाँ सड़ जाना
- C. डूबकर घायल होना
- D. बाढ़ में लकड़ी से चोट लगना (B)

व्याख्या: 'पकायी घाव' का आशय है – पानी में लंबे समय तक रहने से उंगलियाँ सड़ जाना।

2. नाव पर हमेशा कौन-सी आवश्यक वस्तुएँ रखनी चाहिए थीं?

- A. खाना और कपड़े
- B. दवा, दियासलाई और मिट्टी का तेल
- C. पैसे और पानी
- D. कपड़े और बर्तन (B)

व्याख्या: भादुड़ी जी की हिदायत थी कि नाव पर दवा, दियासलाई और मिट्टी का तेल ज़रूर रखना चाहिए।

3. राहत बाँटने के दौरान लोगों की सबसे पहली माँग क्या होती थी?

- A. खाने-पीने की चीज़
- B. पैसे
- C. कपड़े
- D. 'पकायी घाव' की दवा और दियासलाई (D)

व्याख्या: लोग सबसे पहले 'पकायी घाव' की दवा और दियासलाई की माँग करते थे।

4. डॉक्टर साहब को नाव पर चढ़े किस चीज़ से भीषण भय हुआ?

- A. बीमार नौजवान से
- B. नाव के डूबने से
- C. नाव पर चढ़े कुत्ते से
- D. पानी की तेज़ धारा से (C)

व्याख्या: डॉक्टर साहब नाव पर चढ़े कुत्ते को देखकर घबरा गए थे।

5. बीमार नौजवान ने डॉक्टर की बात पर क्या किया?

- A. नाव से उतर गया
- B. चुपचाप बैठा रहा
- C. डॉक्टर से बहस करने लगा
- D. अपना सामान फेंक दिया (A)

व्याख्या: नौजवान ने कहा – “कुत्ता नहीं जाएगा तो मैं भी नहीं जाऊँगा” और वह पानी में उतर गया।

6. मुसहरी जाति किस काम से जुड़ी होती है?

- A. बर्तन बनाना
- B. मछली पकड़ना
- C. दोने-पत्तल बनाना
- D. बुनाई करना (C)

व्याख्या: मुसहरी (आदिवासी) दोने-पत्तल बनाने का काम करती है।

7. मुसहरी बस्ती में लेखक और दल ने क्या दृश्य देखा?

- A. लोग भूखे बैठे थे
- B. लोग मंदिर बना रहे थे
- C. लोग दिवारी नाच कर रहे थे
- D. लोग राहत बाँट रहे थे (C)

व्याख्या: उन्होंने देखा कि लोग मचान बनाकर दिवारी नाच कर रहे थे।

8. दिवारी नाच किस प्रकार का नृत्य है?

- A. शास्त्रीय नृत्य
- B. लोक-नृत्य
- C. धार्मिक नृत्य
- D. आधुनिक नृत्य (B)

व्याख्या: दिवारी एक प्रकार का लोक-नृत्य है।

9. नटुआ ने दिवारी नाच में किसका अभिनय किया?

- A. सतीनाथ भादुड़ी का
- B. धानी (स्त्री) का
- C. भोला शास्त्री का
- D. डॉक्टर का (B)

व्याख्या: नटुआ ने धानी (पत्नी) का अभिनय किया, जो घर छोड़कर मायके जा रही थी।

10. दिवारी नाच की रात लेखक को किसकी याद आ जाती थी?

- A. सतीनाथ भादुड़ी
- B. डॉक्टर साहब
- C. भोला शास्त्री
- D. नागार्जुन (C)

व्याख्या: दिवारी नाच की रात लेखक को हमेशा अपने परम मित्र भोला शास्त्री की याद आ जाती थी।